मरमागोआ पत्तन से तस्कर माल की निकासी

831. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा पकड़ा गया कुछ माल मरमागोआ पत्तन पर कुछ वर्षों से पड़ा हुआ है और अब तक उसकी निकासी नहीं की गई है;

(ख) यदि हां, तो यह माल वहां पर कब से पड़ा हुआ है और अब तक उसकी निकासी क्यों नहीं की गई है; और

(ग) इस सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय कब तक लेने की सम्भावना है ?

वित्त मंत्री (श्री शचीन्द्र चौधरी) : (क) से (ग). सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा पकड़ा हुआ कोई माल कुछ वर्षों से मारमागोआ बन्दरगाह में पड़ा हुआ नहीं है। यह जरूर है कि 20 दिसम्बर, 1961 से 30 सितम्बर, 1963 की अवधि के बीच अनधिकृत रूप से आयात किया गया कुछ माल मारमागोआ बन्दरगाह में अवश्य पड़ा हुआ है। लेफ्टिनेन्ट गवर्नर ने आयात करने वालों को यह विकल्प दिया था कि वे माल को फिर से निर्यात कर दें, परन्तु उन लोगों ने इसका लाभ नहीं उठाया। इसलिए इसका यह अर्थ लगाया गया कि उन्होंने उस माल को राज्य के पक्ष में त्याग दिया है। इस माल के निकाल का प्रश्न विचाराधीन था और इस सम्बन्ध में अब निर्णय कर लिया गया है। आशा है कि माल का निकाल शीघ्र ही कर दिया जायगा।

नेताओं की मूर्तियां

832. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :
डा० राम मनोहर लोहिया :
श्री रामलेखक यादव :
श्री किशन पटनायक :
श्री बागड़ी :
श्री यशपाल सिंह :
श्री विश्राम प्रसाद :
श्री उटिया :
श्री विश्वनाथ पाण्डेय :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्री वी० चं० शर्मा :
श्रीमती सावित्री निगम :
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री लिंग रेड्डी :

क्या **निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास** मंत्री 9 दिसम्बर, 1965 के तारांकित प्रश्न संख्या 755 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नेताओं की मूर्तियों को दिल्ली में लगाने के सम्बन्ध में आगे क्या प्रगति हुई है;

(ख) अब तक किये गये निर्णय के अनुसार किन किन नेताओं की मूर्तियां लगाई जायेंगी और वे किन स्थानों पर लगाई जायेंगी; और

(ग) क्या कुछ अन्य नेताओं की मूर्तियां लगाने के सम्बन्ध में भी कोई प्रस्ताव विचाराधीन है ?

निर्माण, आवास तथा नगरीय-विकास मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : (क) दिल्ली में मूर्तियां लगाने की समिति ने राष्ट्रीय नेताओं की मूर्तियां लगाने के लिए पहले सिफ़ारिश किये गये सात स्थानों के अतिरिक्त तीन और स्थानों की सिफ़ारिश की है।

(ख) और (ग). समिति की सिफ़ारिश सरकार के विचाराधीन हैं।